प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कृषि वैज्ञानिक कान्कलेव का शुभारंभ

पंतनगर। 01 मई 2023। विश्वविद्यालय एवं भारतीय कृषि आर्थिक अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से 'समकालीन प्रतिमान पर पारंपरिक कृषि ज्ञान के अनुकूलन' विषय पर दो–दिवसीय राष्ट्रीय कृषि वैज्ञानिक सम्मेलन का आयोजन कृषि महाविद्यालय के सभागार में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कार्यवाहक कुलपति एवं कुलसचिव डा. दीपा विनय; अध्यक्ष भारतीय एग्रो–इकोनोमिक रिसर्च सेंटर, नई दिल्ली श्री प्रमोद कुमार चौधरी; अखिल भारतीय संगठन मंत्री, भारतीय किसान संघ श्री दिनेश दत्तात्रेय कुलकर्णी; प्राध्यापक सस्य विज्ञान एवं कार्यकारी सचिव एशियन एग्री–हिस्ट्रीफाउंडेशन डा. सुनिता टी पाण्डे; कान्कलेव के संयोजक डा. आशुतोष मुर्कुटे एवं आयोजन सचिव डा. राजीव शुक्ला मंचासीन थे।

उद्घाटन सत्र में डा. दीपा विनय ने कृषक महिलाओं के योगदान को महत्व देते हुए उनके हित में विचार करने एवं उनके लाभ के लिए चिंतन करने का प्रस्ताव रखा। श्री प्रमोद कुमार ने सभा में बैठे हर व्यक्ति को प्रेरित करते हुए यह निवेदन किया कि हम अपने कर्तव्य की दिशा में अग्रसर रहें एवं अपनी संस्कृति के संरक्षण को महत्व दें। श्री दिनेश कुलकर्णी ने कृषि देवता बलराम जी के व्यक्तित्व का वर्णन करते हुए कृषि उत्पादन एवं प्रक्रिया को साथ लेकर चलने की बात कही तथा देश के हित चिंतन के लिए वसुधैव कुटुम्बकम की विचारधारा पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने किसानों की आत्मनिर्भरता, जैविक खेती, वनस्पति संरक्षण, एवं जल परिवर्तन आदि विषयों पर प्रकाश डाला। कान्कलेव के प्रारम्भ में डा. सुनीता टी पांडे तथा डा. राजीव शुक्ला ने मुख्य अतिथियों को शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट करके तथा सभी राज्यों से आए हुए वैज्ञानिकों प्राध्यापकों एवं प्रख्यात अतिथियों का अभिनंदन करते हुए समारोह के उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी। डा. आशुतोष मुर्कुटे ने पारंपरिक संस्कृति एवं तकनीकों के प्रसंस्करण एवं संरक्षण पर प्रकाश डाला। भारतवर्ष के स्वर्णिम कृषि काल की स्मृति कराते हुए आज किसान को पुनः कैसे परावलंबन से स्वावलंबन की तरफ ले जाकर आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है तथा कृषक के सम्मान को वापस लाकर पुनः फिर कृषि को उत्तम दर्जा दिया जा सकता है इस विषय को स्पष्ट किया। डा. राजीव शुक्ला द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशकगण, वैज्ञानिक, विद्यार्थी एवं विभिन्न राज्यों से आये अतिथि उपस्थित थे।

कान्कलेव के उद्घाटन सत्र में मंचासीन अतिथिगण।

निदेशक संचार